हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 98, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 22 सितम्बर, 2021 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

यूके का रवैया भेदभावपूर्ण हम भी लेंगे जवाबी ऐक्शन

कोविशील्ड पर भारत की चेतावनी, भारत में अधिकांश लोगों को कोविशील्ड टीका ही लगा

नई दिल्ली। भारत सरकार का कहना है कि ब्रिटेन ने कोरोना वैक्सीन कोविशीलड को मान्यता नहीं देकर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया है। साथ ही यह भी कहा कि अगर इसका कोई समाधान नहीं निकाला जाता है तो जवाबी कार्रवाई की जाएगी। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने आज कहा कि यूके सरकार का कोविशील्ड को मान्यता नहीं देने का निर्णय भेदभावपूर्ण है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह भारत के पारस्परिक उपाय करने के अधिकार के भीतर आता है। उन्होंने आगे कहा, 'कोविशील्ड की गैर-मान्यता एक भेदभावपूर्ण नीति है और यूके की यात्रा करने वाले हमारे नागरिकों को प्रभावित करती है। विदेश मंत्री ने ब्रिटेन के नए विदेश सचिव के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाया है। मुझे बताया गया है कि कुछ आश्वासन दिए गए हैं कि इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा।' आपको बता दें कि ब्रिटेन ने अपने कोविड-19 यातायात नियमों में बदलाव किए हैं लेकिन इसके साथ ही एक नए विवाद को जन्म भी दे दिया है। ब्रिटेन पर आरोप लग रहे हैं कि वह भारत के साथ भेदभाव कर

रहा है। ब्रिटेन सरकार पर अब भारत से आने वाले यात्रियों के लिए तय नियमों समीक्षा करने का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्रिटेन ने नए नियमों के तहत 'कोविशील्ड' वैक्सीन लेने वालों को टीका लिया हुआ नहीं माना जाएगा, जबकि ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका वैक्सीन पाए लोगों को मान्यता दी गई है। भारत में अधिकांश लोगों को कोविशील्ड टीका ही लगा है। यह ब्रिटेन के एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का ही भारतीय वर्जन है। इसे भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने बनाया है, इसके बावजूद भारत को सूची से बाहर रखा गया है। ब्रिटेन में नेशनल इंडियन स्टूडेंट एंड एलुमनाई यूनियन (एआईएसएयू) की अध्यक्ष सनम अरोड़ा ने कहा, 'भारतीय छात्र इस बात से परेशान हैं कि उन्हें लगता है कि यह एक भेदभावपूर्ण कदम है क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के उनके समकक्षों की तुलना में उनके साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है।'

'बंगाल में तालिबान के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार का टीएमसी पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी मिलते ही भाजपा नेता सुकांता मजूमदार तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर हो गए हैं। उन्होंने मंगलवार को एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि टीएमसी एक राजनीतिक दल की आड़ में परिवार के स्वामित्व वाली संपत्ति बन गई है। टीएमसी में सिर्फ रिश्तेदारों की खातिरदारी की जाती है। इसके अलावा उन्होंने भाजपा की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी पार्टी वह पार्टी है जो आम लोगों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती है। मैं उन लोगों को धन्यवाद देता हूं जो पश्चिम बंगाल को अफगानिस्तान बनने से बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी को दिल्ली HC से झटका, ED के समन पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजीरा को जारी समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 27 सितंबर तय की है और ईडी को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी की याचिका पर तीन दिनों के भीतर जवाब देने को कहा है। अभिषेक बनर्जी और रुजीरा बनर्जी, जिन्हें एजेंसी ने मंगलवार को दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से दस्तावेजों के एक बड़े सेट के साथ पेश होने के लिए कहा था, ने तर्क दिया है कि वे कोलकाता के निवासी हैं और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में जांच में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। .आपको बता दें कि अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव हैं और इसकी जांच किसी पुलिस स्टेशन या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, रुजीरा बनर्जी से जुड़ी फर्मों को कथित तौर पर अवैध धन प्राप्त हुआ था।

तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान की हर महिला बेबस और लाचार

अफगानिस्तान। अफगानिस्तान लंबे समय से पुरुष प्रधान समाज रहा है। पुरुषों और महिलाओं को मिलने वाले अधिकार, सम्मान और आजादी में जमीन आसमान का फर्क रहा है। हालांकि एक दौर ऐसा भी रहा जब लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद महिलाओं के हालात बदलने शुरू हुए थे। बाहर घूमने और हर क्षेत्र में काम करने की छूट मिली, लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह मौका ज्यादातर शहरी इलाकों और पढ़े-लिखे परिवारों की लड़कियों-महिलाओं को ही मिला। ग्रामीण, गरीब और अशिक्षित परिवारों की लड़कियों की स्थिति पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। आज तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान की हर महिला बेबस, लाचार और दयनीय महसूस कर रही है।

आज हम एक ऐसी परंपरा की बात कर रहे हैं जिसकी नींव अफगानिस्तान में बहुत पुरानी है, जिसे बच्चा पोश के नाम से जाना जाता है। इसका मतलब है- लड़के की वेशभूषा में लड़की। ज्यादातर ऐसे परिवार जिनके घरों में कोई लड़का पैदा नहीं होता, वे अपनी किसी एक लड़की की परवरिश लड़के की तरह करते हैं। उन्हें तीन-चार साल की उम्र में लड़कों के कपड़े पहनाने शुरू कर दिए जाते हैं। लड़कों की तरह के बाल कटवाए जाते हैं। लड़कों जैसा चाल-चलन, बोलने आदि की ट्रेनिंग दी जाती है। मकसद होता है कि वह अपनी पहचान छुपाकर घर से बाहर जा सके और इस प्रकार परिवार की मदद कर सके। उन पर घर की लड़कियों को बाहर ले जाने की भी जिम्मेदारी होती है। उन्हें स्कूल भी पढ़ने के लिए भेजा जाता है। वह फुटबाल खेल सकता है, पतंग उड़ा सकता है, साइकिल चला सकता है, मतलब वह ऐसे सारे काम कर सकता है जिनको लड़कियों के करने पर पाबंदी है।

यह परंपरा थोड़े समय के लिए परिवारों को कुछ राहत दे देती है, लड़कियों को भी कुछ वर्षो तक आजादी महसूस होती है, लेकिन वास्तव में यह परंपरा लड़कियों को दुखदायी परिणाम देती है। इस परंपरा के तहत युवावस्था की दहलीज पर आते ही लड़का बनी लड़की को फिर से घर की चारदीवारी में कैद कर लिया जाता है। उसे लड़कियों के कपड़े थोप दिए जाते हैं, लड़कियों की तरह रहने को मजबूर किया जाता है। घर के सारे कामकाज करने के लिए दबाव बनाया जाता है। अचानक आए बदलाव को ये लड़कियां झेल नहीं पाती हैं। ये लड़कियां अपने व्यक्तित्व को लेकर भ्रम में जीती हैं और मानसिक बीमारियों का शिकार भी हो जाती हैं। स्वयंसेवी संस्था वीमन फार अफगान वीमन की निदेशिका नाजिया नसीम मानती हैं कि अफगानिस्तान में पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं का दमन करने वाली सामाजिक, आइथक, राजनीतिक नीतियों ने बच्चा पोश परंपरा को अपने फायदे के अनुरूप ढाल लिया है। अफगानितान में बहुत से इलाकों के साथ-साथ यह परंपरा पाकिस्तान के कुछप्रांतों में आज भी है।

राकेश टिकैत के फिर बिगड़े बोल कहा देश में भाजपा नहीं मोदी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हरियाणा, पंजाब और यूपी के किसान बीते 9 माह से दिल्ली की सीमा पर धरना देकर प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र सरकार खाली करने को तैयार नहीं है। 26 जनवरी की घटना के बाद से पूरी दुनिया में किसानों के प्रदर्शन को लेकर आलोचना हो चुकी है। कई विदेशी सिलेब्रिटीज ने भी आंदोलन को

के कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने किसान संगठनों के नेताओं के साथ बैठक कर उनकी मांगों को सुना और समस्याओं के समाधान के रास्ते खोजे मगर किसान सिर्फ इन तीनों कानूनों को सिर्फ खत्म किए जाने की मांग पर अड़े हैं। ठंडी, गर्मी और बरसात के महीने बीत चुके हैं मगर किसान धरना स्थल समर्थन किया और सरकार के खिलाफ बोलीं, इस दौरान ट्विटर पर एक टूलकिट भी खासी चर्चा का विषय रहा था। भारतीय किसान यूनियन के नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आंदोलन से किसानों को जोड़ने के लिए महापंचायत और सम्मेलन करते रहते हैं। 5 सितंबर को यूनियन की ओर से किसान महापंचायत का भी आयोजन किया गया था जिसमें काफी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। महापंचायत के बाद राकेश टिकैत ने कहा था कि ये किसान आने वाले समय में सरकार को बदल कर रख देंगे। इस बीच केंद्र सरकार की ओर से किसानों के हित के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी भी की गई, राकेश टिकैत ने उसकी भी आलोचना की। वो बढ़ाई गई एमएसपी को लेकर भी आलोचना करते रहे और ट्विटर पर लिखते रहे। अब एक बार फिर उन्होंने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है और अपने ट्विटर हैंडल पर फिर से ट्वीट किया है। अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा है कि आंदोलन से बदलेगी देश की व्यवस्था, सरकारी संस्थाओं को बेच रही है सरकार, क्या भाजपा के पास हर हर महादेव का पैटेंट है, हम भगवान राम के वंशज है हमारा गोत्र रघुवंशी, हरियाणा में अधिकारी ने सर फाड़ने का तालिबान आदेश दिया, देश मे भाजपा नहीं मोदी सरकार, मोदी को बदला जाएगा।

जम्मू-कश्मीरः पटनीटॉप के पास सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पटनीटॉप इलाके में बड़ा हादसा हुआ है। नाग देवता मंदिर के ऊपर शिवगढ़ के जंगल में मंगलवार सुबह एक हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की खबर है। सूचना मिलते ही एंबुलेंस और फायर सर्विस टीम मौके पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर सेना का बताया जा रहा है। घटना का कारण इलाके में भारी बारिश और धुंध बताई जा रही है।

फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। इस घटना में दो पायलट घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार घायल पायलटों को गंभीर चोटें आई थी। इसी बीच घटना स्थल पर पहुंची सेना की टीम हेलिकॉप्टर के मलवे को जुटाने में लगी हुई है। हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ या उसकी आपात लैंडिंग हुई है अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है। हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने घायल पायलट व को-पायलट को हेलीकाप्टर से बाहर निकाला। इस बीच सेना का बचाव दल व पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। दोनों घायलों को ऊधमपुर कमान अस्पताल भर्ती कराया गया था।

मौके पर बड़ी संख्या में आसपास के गांव के लोग अभी भी मौजूद हैं। हेलिकॉप्टर के पास कोई नहीं पहुंचे इसके लिए पुलिस और अन्य सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए हैं। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना की टीम भी दौरा कर रही है। मंगलवार को करीब सुबह साढ़े दस बजे शिवगढ़ धार इलाके में जोरदार आवाज सुनाई देने से लोग हैरान रह गए। इलाके में धुंध और बारिश होने के कारण लोग इस धमाके के बारे में एक दूसरे से पता करने लगे। इस बीच गांव के एक हिस्से में हेलिकॉप्टर गिरने की खबर से सभी सन्न रह गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में गांव के युवा समेत अन्य लोग मौके पर पहुंच गए।

अमरिंदर के आरोप पर सिद्धू को मिला रावत का साथ, कहा- पाक सेना प्रमुख को गले लगाने में देशद्रोह क्या है

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के हमले के मामले में पार्टी प्रभारी हरीश रावत का साथ मिला है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू को देशविरोधी कहा था और करतारपुर कारिडोर के उद्घाटन के दौरान पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से गले मिलने को लेकर उन पर हमला किया था। इसके बाद इस मामले को भाजपा ने भी उठाया था और कैप्टन के आरोपों को बेहद गंभीर बताया था। इस मामले पर अब रावत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने धार्मिक तीर्थस्थल करतारपुर साहिब का रास्ता खोलने के लिए धन्यवाद देते हुए एक अपने दूसरे पंजाबी भाई के गले मिलता है तो इसमें देशद्रोह क्या है।

रावत ने कहा कि भाजपा को नवजोत सिंह सिद्धू की इमरान खान के साथ दोस्ती खल रही है, क्योंकि नवजोत सिंह सिद्धू अब कांग्रेस में हैं, लेकिन जब भाजपा के सांसद थे, जब भाजपा उनको पंजाब में अपना खेवनहार मानती थी, उस समय तो सिद्धू की इमरान खान, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से और प्रगाढ़ मित्रता थी। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी भी नवाज शरीफ से गले मिले थे। बता दें, पंजाब के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधा था। कैप्टन ने कहा कि सिद्धू की पाकिस्तान के पीएम से दोस्ती है। वह देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। सिद्धू जब करतारपुर कारिडोर के उद्घाटन के लिए पाकिस्तान गए थे तो वह उस समय कैप्टन अमरिंदर सिंह के मंत्रिमंडल में स्थानीय निकाय मंत्री थे। कैप्टन ने उस समय भी सिद्धू की इस हरकत पर एतराज जताया था। इसके बाद कैप्टन व सिद्धू के बीच दूरी बढ़ती चली गई। कैप्टन ने उनका विभाग बदल दिया था। सिद्धू को स्थानीय निकाय विभाग से हटाकर ऊर्जा विभाग दिया गया, लेकिन सिद्धू ने इसे अस्वीकार कर दिया और मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

बरादर, अखुंदजादा पर अटकलें: पंजशीर-अफगान झंडे पर विवाद फिर बैठक में झड़प, आखिर क्या चल रहा है अफगानिस्तान में ?

काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की विदाई के बाद तालिबान का जो शासन कायम हुआ था, उसमें अब दरारें दिखने लगी हैं। दरअसल, हाल ही में एक ब्रिटिश मैगजीन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबतुल्ला अखुंदजादा की मौत की अफवाहें उड़ने लगी हैं। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि तालिबान का राजनीतिक चेहरा मुल्ला अब्दुल गनी बरादर भी तालिबानी नेताओं के बीच चल रहे तनाव में घिर गया है और उसे बंधक बना लिया गया। मैगजीन के इन दावों पर फिलहाल तो तालिबान की ओर से कोई सफाई नहीं दी गई। हालांकि, काबुल पर कब्जा करने के बाद बरादर और अन्य तालिबानी नेता जिस तरह जनसंपर्क बनाने में जुटे थे, अब वो कोशिशें मीडिया से गायब हैं। इतने दिनों में खुद बरादर भी एक ही बार इन अटकलों पर सफाई देने सामने आया।

तालिबान में कौन से दो गुटों के बीच तनाव?- दो हफ्ते पहले ही तालिबान की तरफ से अफगानिस्तान में सरकार गठन का एलान किया गया था। इसमें मुल्ला हसन अखुंद को अफगानिस्तान की नई सरकार का नेता बनाया गया, जबकि लंबे समय से दुनिया के सामने तालिबान का चेहरा रहे मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को अखुंद के नीचे डिप्टी लीडर का पद सौंपा गया। इन दोनों के अलावा तालिबान में शामिल हक्कानी गुट को नई सरकार में कई अहम पद सौंपे गए। बताया गया है कि इसी को लेकर तालिबान के पुराने नेताओं ने बगावत छेड़ दी।

हक्कानी नेटवर्क के पास अफगान सरकार के अहम पद- जहां गृह मंत्री एफबीआई के मोस्ट वॉन्टेड और हक्कानी नेटवर्क के सरगना सिराजुद्दीन हक्कानी को बनाया गया, वहीं उसके चाचा खलील-उर-रहमान हक्कानी को शरणार्थी मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई। उधर इसी गुट के नजीबुल्ला हक्कानी को संचार मंत्री और शेख अब्दुल बाकी हक्कानी को उच्च शिक्षा के मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

डॉ मुकेश बसपा से लड़ेंगे चुनाव भारतीय जनता पार्टी से मोहभंग

प्रखर गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी में उसके बुरे दिनों के नेता एक-एक कर पार्टी में किनारे लगाए जा रहे हैं। फिर चाहे वह अरुण सिंह हों या डॉक्टर मुकेश सिंह बता दें कि 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले गाजीपुर में जिन चंद नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी के झंडे को सबसे मजबूती से पकड़े रखा उसमें डॉ मुकेश सिंह भी रहे । कहते हैं सत्ता अपने साथ तमाम बुराइयों को लेकर आती है। 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी के लिए झंडे उठाने वाले लोगों की बड़ी कमी थी । उस समय डॉक्टर मुकेश सिंह ने ना ही झंडा उठाया बल्कि बड़ी मजबूती से जमीन पर पार्टी के लिए कार्य भी किया । लेकिन इनाम मिलने की जगह उन्हें किनारे करने का प्रयास लगातार किया जाता रहा।

गौरतलब है कि बीते जिला पंचायत चुनाव में भी उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष तक के चुनाव में पार्टी के लिए जमकर काम किया परिणाम स्वरूप जिलापंचायत अध्यक्ष के पद पर भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेताओं ने उन्हें हमेशा बाहरी समझते हुए उनके मेहनत को स्वीकार करने की बजाय हमेशा पार्टी में किनारे करने का प्रयास किया । इसका बड़ा उदाहरण सोमवार 20 सितंबर को सैदपुर में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा से पहले लगे स्वागत पोस्टरों से डॉक्टर मुकेश सिंह की तस्वीर तक नहीं लगाई गई। इससे आहत होकर डॉक्टर मुकेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर बहुजन समाज पार्टी के साथ जाने का फैसला लिया है। विश्वस्त सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार डॉ मुकेश सिंह गाजीपुर की जंगीपुर विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी होंगे। जिसकी घोषणा पार्टी फोरम पर जल्द होने की संभावना है। डॉ मुकेश गाजीपुर के युवाओं में गहरी पैठ रखते हैं। विधानसभा चुनावों से ठीक पहले डॉ मुकेश का पार्टी छोड़ कर जाना पार्टी के लिए काम करने वाले जमीनी कार्यकताओं की अनदेखी का परिणाम है।

दिल्ली के कालकाजी में मां-बेटे की चाकू से गोदकर हत्या, किर्गिस्तान की रहने वाली थी महिला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में एक महिला और उसके मासूम बेटे की हत्या का मामला सामने आया है। डबल मर्डर की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर कैलाश इलाके में रहने वाली किर्गिस्तान की एक महिला और उसके 14 महीने के मासूम बेटे की कालकाजी के एक घर में कथित तौर पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। महिला अपने बेटे के साथ यहां अपने दोस्त के घर आई थी। पुलिस को इमारत में किसी तरह की फोर्स एंट्री के निशान नहीं मिले हैं, ऐसे में पुलिस को इस डबल मर्डर के पीछे महिला के किसी जानकार का हाथ होने का शक है। फिलहाल, पुलिस की ओर से दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुरक्षित रखवाकर किर्गिस्तान दूतावास को मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को कालकाजी थाना पुलिस को इलाके के मकान संख्या K-22-B में एक महिला और बच्चे की हत्या के संबंध में कॉल आई थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को मूलरूप से किर्गिस्तान की रहने वाली मायस्कल जुमाबेवा (28 साल) पत्नी विनय चौहान उसका बेटा मानस बिस्तर पर पड़े मिले।

महिला S-78, 1st फ्लोर, ग्रेटर कैलाश-II में रहती थी। पॉश इलाके में हुई इस वारदात के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने भी क्राइम और फॉरेंसिक टीमों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रात में महिला की अपने पति विनय के साथ अस्पताल जाने को लेकर बहस हुई थी। इसके बाद विनय उसे जीके में घर पर छोड़कर अपने दोस्त वाहिद से मिलने चला गया था।

चिंतन मनन

अभी कांग्रेस आगे

पंजाब के नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ डिप्टी सीएम के तौर पर सुखजिंदर सिंह रंधावा और ओपी सोनी ने भी शपथ ली। पंजाब में पहली बार दो डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। चरणजीत चन्नी पंजाब के इतिहास में पहले दलित मुख्यमंत्री बने हैं। वहीं, जट्ट सिख कम्युनिटी से सुखजिंदर सिंह रंधावा और हिंदू नेता के तौर पर ओपी सोनी को डिप्टी सीएम बनाया गया है। पंजाब में 5 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में दलित वोट बैंक को साधने के लिए इसे कांग्रेस का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। पंजाब में 32 फीसदी दलित आबादी है। 117 में से 34 सीटें रिजर्व हैं। वहीं चन्नी भले ही दलित नेता हैं, लेकिन सिख समाज से हैं। इस लिहाज से कांग्रेस को इसका बड़ा सियासी लाभ मिल सकता है। खासकर, दलित लैंड कहे जाने वाले पंजाब के दोआबा एरिया में कांग्रेस का दबदबा बढ़ सकता है। हिंदू नेता ओपी सोनी को डिप्टी सीएम बनाने से कांग्रेस ने हिंदू वोट बैंक को भी साधने की कोशिश की है। यह इसलिए अहम है, क्योंकि हिंदू वोट बैंक हमेशा भाजपा के साथ जाता है। हालांकि कैप्टन की व्यक्तिगत छवि को देखते हुए कांग्रेस को इसका लाभ मिलता रहा है। अब कैप्टन सीएम की कुर्सी छोड़ चुके हैं, इसलिए सोनी के जरिए उस वोट बैंक को बनाए रखने की कोशिश है। जट्ट सिख कम्युनिटी नाराज न हो, इसलिए सुखजिंदर रंधावा को डिप्टी सीएम बनाया गया है। अब तक यही कम्युनिटी पंजाब को सीएम चेहरे देती रही है। यह वोट बैंक अकाली दल का माना जाता है। हालांकि 2017 में बेअदबी के मुद्दे पर यह छिटककर आम आदमी पार्टी की तरफ चला गया। रंधावा को मंत्रिमंडल गठित होने पर मजबूत प्रोफाइल दिया जा सकता है। इसके जरिए जट्ट सिख वोट बैंक में अपना शेयर सुनिश्चित किया जाएगा। भाजपा ने दलित सीएम कहा तो कांग्रेस ने चरणजीत चन्नी को बना दिया। अकाली दल ने एक हिंदू व एक दलित को डिप्टी सीएम बनाने की बात कही थी। कांग्रेस ने हिंदू और जट्ट सिख को डिप्टी सीएम बनाकर उसका भी तोड़ निकाल लिया। अब पंजाब में सरकार बनाने के लिए नए समीकरण बन गए हैं। फिलहाल तो कांग्रेस ने विरोधियों की मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, लेकिन एंटीइंकम्बेंसी और कैप्टन सरकार के साढ़े चार साल क काम का हिसाब तो जनता चुनाव में करेगी ही। पंथिक और जट सिखों की किसान राजनीति के लिए जाना जाने वाला पंजाब कांग्रेस के इस फैसले से सियासत के एक दूसरे दौर में पहुंच गया है। पंजाब के चुनाव में इस बार दलित मुख्यमंत्री का मुद्दा सबसे अहम होगा। एक तरह से कांग्रेस ने राज्य में पहली बार किसी दलित को मुख्यमंत्री बनाकर अकाली बसपा गठबंधन को कमजोर किया है तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी की बढ़त को भी रोकने की कोशिश की है। चरणजीत चन्नी के मुख्यमंत्री बनने से नवजोत सिंह सिद्धू के लिए भी फिलहाल मुख्यमंत्री की कुर्सी दूर हो गई है। अब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस दलितों के बीच चन्नी का चेहरा लेकर वोट मांगेगी और अगर उसे 2022 में फिर बहुमत मिला तो दलित चन्नी को बदलना टेढ़ी खीर होगा। क्योंकि दलित को कुर्सी पर बिठाना जितना कठिन है आज की राजनीति में उसे बदलना उससे भी ज्यादा कठिन है। और अगर कांग्रेस ने ऐसा करने का दुस्साहस किया तो उसका खामियाजा उसे राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा चुनावों तक में भुगतना पड़ सकता है। इसलिए भले ही कांग्रेस पंजाब में कहे कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते विधानसभा चुनावों में नवजोत सिंह सिद्धू का नेतृत्व होगा, लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर चरणजीत सिंह चन्नी के होने से जीत हार का श्रेय दोनों के ही हिस्से में होगा और नतीजों के बाद फैसले भी उसी हिसाब से होंगे।

है कैसा माहौल ?

बनी मौत रहस्यमय ।
सबके अलग विचार ।।
है कोई दोषी तो ।
तुरंत हो उपचार ।।
चल रही है छानबीन ।
कौन जिम्मेदार ?
है कैसा माहौल ?
कैसी ये बयार ?
ना हो लीपापोती ।
खुले जो भी राज ।।
जो भी घटनाक्रम है ।
व्यथित है समाज ।।
जिस पर शक की सुई ।
पूरा लो टटोल ।।
हो सारा स्पष्ट ।
ना घुमाना गोल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मेघवाल ने दिखाया भाजपा नेताओं को आईना

राजस्थान के छः जिलों में संपन्न हुए जिला प्रमुखों व पंचायत समिति के प्रधानों के चुनाव जीतने की खुशी मना रही भाजपा के रंग में उन्हीं की पार्टी के बड़े नेता कैलाश मेघवाल ने भंग डाल कर जीत का मजा किरकिरा कर दिया। चुनावी नतीजों में भाजपा सिर्फ सिरोही जिला परिषद में ही बहुमत में थी। इसके बावजूद जोड़-तोड़ कर पार्टी नेताओं ने सिरोही के साथ जयपुर व भरतपुर में भी अपना जिला प्रमुख जीता लिया था। इसी तरह 78 में से मात्र 14 पंचायत समितियों में भाजपा को बहुमत मिला था। मगर प्रदेश नेतृत्व ने 25 पंचायत समितियों में भाजपा के प्रधान बनवा दिये।

इससे प्रफुल्लित होकर भाजपा नेता अपनी जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व शाहपुरा से विधायक कैलाश मेघवाल ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को पद से हटाने की मांग करते हुये पत्र लिख कर धमाका कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाने वाले कैलाश मेघवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को उनके पद से हटाने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि गुलाबचंद कटारिया द्वारा अलग-अलग मौके पर दिए गए बयानों के कारण भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मेघवाल ने बताया कि कटारिया ने 13 अप्रैल को राजमसंद में एक चुनावी सभा में महाराणा प्रताप को लेकर बयान दिया था। उनके चलते रामसमंद में पार्टी को वोटों का खासा नुकसान हुआ। इस बयान का मामला ठंडा पड़ा भी नहीं था कि उन्होंने भगवान राम को टिप्पणी कर दी कि भाजपा नही होती तो भगवान राम समुद्र में होते। कटारिया के इन बयानों की वजह से समाज में तीखी प्रतिक्रियाएं हुयी थी। उनकी टिप्पणी ने पार्टी को बचाव की मुद्रा में ला दिया था। कटारिया के बयान के चलते ही पार्टी तीन में से दो सीटों पर चुनाव हार गई तथा राजसमंद सीट पर भी बहुत कम वोटों के अंतर से जीत पाई थी। अपने नेताओं को आईना दिखाते हुये मेघवाल ने आरोप लगाया था कि कटारिया की छत्रछाया में पार्टी पद और टिकट बंटवारे में लाखों-करोड़ों रुपए की हेराफेरी होती रही है। कटारिया अनर्गल बयान बाजी कर पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मेघवाल ने अपने पत्र की प्रति भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया सहित पार्टी के सभी विधायकों को भी भेजी थी। मेघवाल ने तो विधानसभा सत्र से पहले होने वाली विधायक दल की बैठक में कटारिया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की भी धमकी दी थी।

कैलाश मेघवाल की चिट्ठी से प्रदेश भाजपा की राजनीति में खलबली मच गई। 1977 में पहली बार विधायक व कैबिनेट मंत्री बनने वाले मेघवाल केंद्र की वाजपेई सरकार में भी मंत्री व कई बार सांसद रह चुके हैं। वो राजस्थान में भी कई बार मंत्री व विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। अनुसूचित जाति से आने वाले मेघवाल के पत्र से हुए नुकसान को कंट्रोल करने के लिए भाजपा आलाकमान ने तुरंत ही प्रदेश के प्रभारी महासचिव अरुण सिंह को जयपुर भेजा। जयपुर पहुंचते अरूण सिंह ने ही सबसे पहले मेघवाल को पार्टी कार्यालय में बुलाकर कटारिया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाने के लिये मनाया। उन्होने मेघवाल से बयान भी दिलवाया की वह पार्टी के साथ है और ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे पार्टी को नुकसान पहुंचे। हालांकि मेघवाल ने विधायक दल की मीटिंग में और उसके बाद कटारिया के खिलाफ किसी तरह की बयान बाजी नहीं की। लेकिन उनके पत्र से भाजपा में चल रही आपसी गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। मेघवाल के पत्र लिखने से सत्तारूढ़ कांग्रेस को भी भाजपा पर हमला करने का मौका मिल गया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर हमला बोलते हुये कटघरे में खड़ा किया। प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा आपस में एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने व एक दूसरे की टांग खिंचाई से भाजपा विपक्षी दल की भूमिका निभाने की बजाय आपसी लड़ाई में ही उलझी हुई है। प्रदेश में कांग्रेस के पौने तीन साल के शासन में भाजपा ऐसा कोई बड़ा जन हित का मुद्दा नहीं उठा पाई है। जिससे कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया जा सके। भाजपा में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस सरकार बिना किसी बाधा के काम कर रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ सचिन पायलट द्वारा इतनी बड़ी बगावत करने के बाद भी भाजपा उसका कोई फायदा नहीं उठा पायी। उल्टे आपसी लड़ाई के चलते भाजपा ही हमेशा बचाव की मुद्रा में रहती है। राजस्थान भाजपा दो खेमों में बंटी हुई है। एक खेमे का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कर रही है। वहीं दूसरे खेमे में प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़ जैसे बड़े नेता हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यवर्धन राठौड़ किसी गुट में शामिल नहीं हैं।

कौओं की बैठक (सामाजिक व्यंग्य)

बजी डुगडुगी जंगल मे आपात काल सा भान हुआ। स्वयं जाति उपहास पर चर्चा, होने का ऐलान हुआ।।

दूर दूर से मुखिया काग, वायु मार्ग से पहुंच गए।

कुछ तो विविध बहाना करके,बी?बी बच्चों संग दुबक गए।।बुढ़े काग लखैरू काका ने बैठक की अगुवाई की। जिनकी बेटी अदरकास्ट के नाबालिग संग? पराई थी।।

कौओं ने एक बैठकर करके,

मसले पर खूब विचार किया। चारो तरफ से सबने मिलकर कटु शब्दों का बौछार किया।। देर से लौटे सब मूल विन्दु पर,लखैरू काका हटाए गए। उल्लू के ढकना चोरकट काका बैठक अध्यक्ष बनाए गए।।

विचार रखा यह मिलकर सबने श्राद्ध पक्ष में भोजन त्याग करने का। लिया है निर्णय हमने अपने पूर्वज श्राद्ध करने का।।उस घर का अन्न वहिष्कार करेंगे।तब तक ना स्वीकार करेंगे। अपने घर में माता पिता का, जबतक लोग तिरस्कार करेंगे।। पितृपक्ष में ऐसे घरों के आदर से हम दूर रहेंगे।नास्तिक ना समझ बनकर जो अपने मद में चूर रहेंगे।। ना जाने किस अधम कर्म से,काग योनि में आए हम।अन्न वास्ते श्राद्ध पक्ष में, क्षुधा पूर्ति को धाए हम।। पितृपक्ष में श्राद्ध भोज्य से, भविष्य हमारा संकट में।होता नहीं गुजारा फिरते,मारा मारा संकट में।।हम मानव बनने की चाहत का मिलकर परित्याग करेंगे।स्व जाति धर्म पर मिट कर भी, अपने पुरखों को याद रखेंगे।।सबने मिलकर किया समर्थन, एक नंबर का मुद्दा था। मिथ्यावादी मानव मन में धोखा बिल्कुल पुख्ता था।।मानव से दूरी रखने पर,एक युवा काग ने प्रश्न किया।पर, सार्थक उत्तर पाकर उसने जंगल में मंगल जश्न किया।। सदाचार सद्कर्म छोड़,नीच कर्म पर उतरा मानव। इक्का-दुक्का छोड़ अभी लगता नहीं है सुधरा मानव।।

ऊपर वाला जिसे देख, रोज तरस खाता है। जीवों में अव्वल मानव अब,मन को नहीं भाता है। मांसाहारी जीवों का भोजन, हाथों से स्वयं झपटता है। स्वयं स्वार्थ की सिद्धि में, गिरगिट सा रंग बदलता है।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

पितृ परम्परा के वंदना का व्रत है पितृपक्ष :डॉ. विद्यासागर उपाध्याय

यथा वृष्टिं प्रतीक्षन्ते भूमिष्ठाः सर्वजन्त्वः। पितरश्च तथा लोके पितृमेधं शुभेक्षणे।।

अर्थात हे शुभेक्षणे! जैसे भूमि पर रहने वाले सभी प्राणी वर्षा की बाट जोहते हैं, उसी प्रकार पितृ लोक में रहने वाले पितर श्राद्ध की प्रतीक्षा करते रहते हैं। (महाभारतअनुशासन पर्व 145/12)

इस सृष्टि में प्रत्येक वस्तु अथवा प्राणी का जोड़ा है। जैसे - रात और दिन, अंधकार और प्रकाश, सफेद और काला, धनी और निर्धन अथवा नर और नारी इत्यादि बहुत गिनवाये जा सकते हैं। सभी अपने जोड़े से सार्थक है अथवा एक-दूसरे के पूरक है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। इसी तरह दृश्य और अदृश्य जगत का भी जोड़ा है। दृश्य जगत वो है जो हमें दिखता है और अदृश्य जगत वो है जो हमें नहीं दिखता। ये भी एक-दूसरे पर निर्भर है और एक-दूसरे के पूरक हैं। पितृ-लोक भी अदृश्य-जगत का हिस्सा है और अपनी सक्रियता के लिये दृश्य जगत के श्राद्ध पर निर्भर है। वर्ष में १५ दिन का पितृपक्ष हमारे अदृश्य जगत में विद्यमान उन पितरों की स्मृति का पर्व है जो नहीं होते तो हम भी इस धरा पर नहीं आये होते।पितृपक्ष हमारे समस्त पितृ परंपरा के वंदना का व्रत है। यह कृतज्ञता और आभार के कीर्तन का काल है। यह अदृश्य अतिथियों के आगमन का उत्सव है, जो इसी बहाने जीवन की आपाधापी में जुटे हमारे अपने कुटुंबीजनों को एक पंगत में ले आता है। यह श्रद्धा भाव से पितरों को तृप्त करने का कर्म है। इसीलिए यह श्राद्ध है क्योंकि इसमें उनके प्रति श्रद्धा है जिनसे हम हैं। यह तृप्त करने का कर्म है इसलिए तर्पण है। यह एक तरह से वृक्ष के शिखर पर गगनचुंबी पत्तों द्वारा अपनी जड़ों का अभिषेक है।पितृ पक्ष भारतीय संस्कृति का अद्भुत महापर्व है। इसकी महिमा देखिए कि हिंदुओं के प्रमुख त्यौहार जैसे दशहरा, राखी, होली, श्री राम नवमी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, महाशिवरात्रि आदि एक दिन मनाए जाते हैं। दीपावली पांच दिन, नवरात्रि नौ दिन, गणेशोत्सव दस दिन का होता है, लेकिन पितृ पक्ष पूरे सोलह दिन का उत्सव है। शास्त्रों में इसे महालय कहा गया है। महा- अर्थात उत्सव और आलय- अर्थात घर। पितृलोक से पृथ्वी लोक पर पितरो के आने का मुख्य कारण उनकी पुत्र-पौत्रादि से आशा होती है की वे उन्हें अपनी यथासंभव शक्ति के अनुसार पिंडदान करे, अतएव प्रत्येक सद्गृहस्थ का धर्म है कि स्पष्ट तिथि के अनुसार श्राद्ध अवस्य करे। धर्म ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध के सोलह दिनों में लोग अपने पितरों को जल देते हैं तथा उनकी मृत्युतिथि पर श्राद्ध करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष की उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है।पूर्णिमा पर देहांत होने से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को श्राद्ध करने का विधान है। इसी दिन से महालय (श्राद्ध) का प्रारंभ भी माना जाता है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पितरों का पिण्ड दान करने वाला गृहस्थ दीघार्यु, पुत्र-पौत्रादि, यश, स्वर्ग, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पशु, सुख-साधन तथा धन-धान्य आदि की प्राप्ति करता है।शास्त्र कहते हैं कि जो चले गए हैं, हमारे स्वजन थे, परिजन थे, पूज्य थे।स्वभावतः उनके जाने पर एक खालीपन हम अनुभव करते हैं, लेकिन इस खालीपन की अभिव्यक्ति यदि शोक, प्रलाप या आंसुओं में होती है तो यह न तो उचित है, न ही शास्त्र सम्मत। इतना ही नही शोक और उनके वियोग में आंसू बहाकर हम अपने दिवंगत परिजनों को कष्ट ही देते हैं।श्रीमद्भगवत गीता के दूसरे अध्याय के ग्यारहवें श्लोक में भगवान अर्जुन को कहते हैं-

अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्चभाषसे ।

गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्तिपण्डिताः ॥

अर्थात जिनके प्राण चले गए हैं, उनके लिए पंडित लोग शोक नहीं करते।इसका कारण वे इसके ठीक अगले श्लोक में समझाते हैं...

न त्वेवाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपा

न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः परम्
12

अर्थात ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी काल में मैं नहीं था, तू नहीं था और ये सब लोग नहीं थे और न ही आगे ऐसा होगा कि ये सब नहीं रहेंगे।आशय यह है कि आत्मा अमर है, शरीर नश्वर है। जो अमर है वह अमर ही रहेगा और जो नश्वर है उसका नाश होगा ही। तो जो पंडितजन अर्थात सही और गलत, सत और असत का भेद जानते हैं वे आत्मा के लिए इसलिए शोक नहीं करते, क्योकि वह अमर है और शरीर के लिए इसलिए शोक नहीं करते क्योंकि शरीर तो नश्वर ही है।पितृपक्ष तो उत्सव है, हमारे दिवंगत पूर्वजों के आगमन का जो देह त्याग के बाद पितृलोक के वासी हैं और पितृ पक्ष में हमारी श्रद्धा से तृप्त होने, हमारे श्राद्ध का तर्पण गृहण करने हमारे घर, अपने वंशजों के पास आते हैं। यह दिवंगत पूर्वजों से जुड़ा पर्व है, कदाचित इसीलिए जाने-अनजाने शोक और अशुभ मान लिया गया, लेकिन इससे अद्भुत कोई पर्व नहीं।हमारे घर में कोई अतिथि का आगमन होता है तो हम कितने प्रसन्न होते हैं, कितनी श्रद्धा से उसका सत्कार करते हैं और कितने उत्साह से नाना सुस्वादु व्यंजन बनाकर अतिथि को परोसते हैं। श्राद्ध पक्ष में हमारे पितर हमारे घर पधारते हैं। हमारे वे पूर्वज जिन्होंने हमें जन्म दिया, जीवन दिया, ज्ञान और संस्कार दिए और हमें अपनी सत्ता दी। जिनसे हमारा अस्तित्व है, जो हमारी समस्त पितृ परंपरा के उत्स हैं, उसकी विकास यात्रा के स्रोत हैं। वे थे तो हम हैं, जब वे पधारते हैं तो क्यों न हमारे घर में उत्सव हो। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी जब सूर्य नारायण कन्या राशि में विचरण करते हैं तब पितृलोक पृथ्वी लोक के सबसे अधिक नजदीक आता है। श्राद्ध का अर्थ पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भाव ही है। जो मनुष्य उनके प्रति उनके गमन तिथि पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार फल-फूल, अन्न, मिष्ठान आदि से श्राद्ध कराते हैं, उस पर प्रसन्न होकर पितर उसे आशीर्वाद देकर जाते हैं। श्राद्ध में पितरों को आशा रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिण्ड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे। इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वीलोक पर आते हैं। यही कारण है कि हिंदू धर्म शास्त्रों में प्रत्येक हिंदू गृहस्थ को पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य रूप से करने के लिए कहा गया है। इसे पितृयज्ञ भी कहते हैं। श्राद्ध के द्वारा व्यक्ति पितृऋण से मुक्त होता है और पितरों को संतुष्ट करके स्वयं की मुक्ति के मार्ग पर बढ़ता है।संसार में उनसे अधिक धनी, शक्ति संपन्न और सौभाग्यशाली कोई नहीं है, जिनके माता-पिता सशरीर हैं, साथ हैं, प्रसन्न हैं और श्रद्धा से तृप्त हो रहे हैं। सच मानिये जिसके सिर पर माता-पिता का हाथ है वह ईश्वर से भी अड़ जाए, यमराज से भी लड़ जाए तो विजय उसी की होगी, क्योंकि उसके पास माता-पिता हैं। माता-पिता घर में है तो हर दिन उत्सव है। यदि नहीं है तो श्राद्ध पक्ष महालय बनकर आता है। आपकी श्रद्धा से तृप्त माता-पिता का आशीष बाकी दिनों को उत्सव ही कर जाता है।भारतीय शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि, पितृगण पितृपक्ष में पृथ्वी पर आते हैं, और 15 दिनों तक पृथ्वी पर रहने के बाद अपने लोक लौट जाते हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि, पितृपक्ष के दौरान पितर अपने परिजनों के आस-पास रहते हैं, इसलिए इन दिनों कोई भी ऐसा काम नहीं करें, जिससे पितृगण नाराज हों। पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मण, जामाता, भांजा, गुरु या नाती को भोजन कराना चाहिए। इससे पितृगण अत्यंत प्रसन्न होते हैं। ब्राह्मणों को भोजन करवाते समय भोजन का पात्र दोनों हाथों से पकड़कर लाना चाहिए, अन्यथा भोजन का अंश राक्षस ग्रहण कर लेते हैं, जिससे ब्राह्मणों द्वारा अन्न ग्रहण करने के बावजूद पितृगण भोजन का अंश ग्रहण नहीं करते हैं। पितृ पक्ष में द्वार पर आने वाले किसी भी जीव-जंतु को मारना नहीं चाहिए बल्कि उनके योग्य भोजन का प्रबंध करना चाहिए। हर दिन भोजन बनने के बाद एक हिस्सा निकालकर गाय, कुत्ता, कौआ अथवा बिल्ली को देना चाहिए। मान्यता है कि इन्हें दिया गया भोजन सीधे पितरों को प्राप्त हो जाता है। पिता का श्राद्ध पुत्र को ही करना चाहिए।पुत्र के न होने पर पत्नी श्राद्ध कर सकती है। पत्नी न होने पर सगा भाई और उसके भी अभाव में संपिंडों को श्राद्ध करना चाहिए। एक से अधिक पुत्र होने पर सबसे बड़ा पुत्र श्राद्ध करता है। पुत्री का पति एवं पुत्री का पुत्र भी श्राद्ध के अधिकारी हैं।पुत्र के न होने पर पौत्र या प्रपौत्र भी श्राद्ध कर सकते हैं। पुत्र, पौत्र या प्रपौत्र के न होने पर विधवा स्त्री श्राद्ध कर सकती है। पत्नी का श्राद्ध तभी कर सकता है, जब कोई पुत्र न हो।पुत्र, पौत्र या पुत्री का पुत्र न होने पर भतीजा भी श्राद्ध कर सकता है। गोद में लिया पुत्र भी श्राद्ध का अधिकारी है। कोई न होने पर राजा को उसके धन से श्राद्ध करने का विधान है।पितृपक्ष सोलह दिन का होता है। हिन्दू पञ्चाङ्ग में १ से ३० तक तिथि न होकर१ से १५ और फिर १ से १५ के दो पक्ष होते हैं। मास के प्रारंभ में कृष्ण पक्ष और फिर शुक्ल पक्ष। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा अर्थात पूर्णमासी है। श्राद्ध पक्ष भाद्र मास की पूर्णिमा से शुरू होकर आश्विन मास की अमावस को समाप्त होता है। हमारे परिजन इन्ही सोलह तिथियों में से किसी एक तिथि पर देह त्याग करते हैं। जिस तिथि को वे देह त्यागते हैं, उसी दिन उनके श्राद्ध का विधान है। हमारे पितृ इस पक्ष में तय तिथि पर पधारते हैं और मंगल दान कर हमें धन्य करते हैं। वे जब सशरीर होते हैं तब भी सदा हमें देते हैं, कृपा करते हैं। शास्त्र कहते हैं कि देह त्याग के बाद भी वे पितृलोक के वासी होकर तर्पण के बहाने हमारा शुभ करने ही पधारते हैं। वे केवल हमारी प्रसन्नता से प्रसन्न होते हैं। हमारी श्रद्धा से तृप्त होते हैं।महाभारत अनुशासन पर्व में कहा गया है-

लोकेषु पितरः पूज्या देवतानां च देवताः।

शुचयो निर्मलाः पुण्या दक्षिणां दिशमाश्रिताः।।

अर्थात सभी लोकों में पितर पूजनीय होते हैं। वे देवताओं के भी देवता हैं। उनका स्वरूप शुद्ध, निर्मल एवं पवित्र है। वे दक्षिण दिशा में निवास करते हैं।

तो आइए इस पितृपक्ष में अपने पितरों का सम्मान करें,उन्हें याद करें, उन्हें अपने सात्विक आचरण से तृप्त करें।याद रखे ,जो व्यक्ति अपने अतीत को भूल जाता है ,निश्चित ही उसका भविष्य चौपट हो जाता है।

पितृपक्ष एवं श्राद्धविधि : शंका और समाधान विशेष संवाद द्वारा महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन!

पितृऋण चुकाने के लिए श्राद्ध और नित्य श्री गुरुदेव दत्त का जप करें !- पू. नीलेश सिंगबाळजी, धर्मप्रसारक, हिन्दू जनजागृति समिति

हिन्दू धर्म में ईश्वरप्राप्ति हेतु देवऋण, ऋषिऋण, पितृऋण और समाजऋण ऐसे चार प्रकार के ऋण चुकाने के लिए बताया गया है । इनमें से पितृऋण चुकाने के लिए पितरों की मुक्ति हेतु प्रयास करना आवश्यक है । पितरों की मुक्ति हेतु श्राद्ध करना महत्त्वपूर्ण है । जिन्हें संभव है, वे पितृपक्ष में पुरोहितों को बुलाकर श्राद्धविधि करें; परंतु कोरोना के कारण पुरोहित अथवा श्राद्ध सामग्री के अभाव में जिन लोगो के लिए श्राद्ध करना संभव न हो, वे आपद्धर्म के रूप में संकल्पपूर्वक आमश्राद्ध, हिरण्यश्राद्ध अथवा गोग्रास अर्पण करें । साथ ही पूर्वजों को आगे की गति प्राप्त होने हेतु और अतृप्त पूर्वजों से कष्ट न हो, इसलिए नियमित रूप से साधना करें । श्राद्ध विधि के साथ ही पितृपक्ष में अधिकाधिक समय, साथ ही अन्य समय प्रतिदिन कम से कम 1 से 2 घंटे श्री गुरुदेव दत्त यह नामजप सभी को करना चाहिए, ऐसा मार्गदर्शन हिन्दू जनजागृति समिति के धर्मप्रसारक संत पू. नीलेश सिंगबाळजी ने किया । गणेशोत्सव के उपरांत आरंभ हो रहे पितृपक्ष के निमित्त सनातन संस्था और हिन्दू जनजागृति समिति के संयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित पितृपक्ष एवं श्राद्धविधि : शंका और समाधान इस विषय पर आयोजित विशेष संवाद में वे बोल रहे थे ।

उन्होंने आगे कहा कि हिन्दुओं में धर्मशिक्षा का अभाव, पश्चिमी अंधानुकरण और हिन्दू धर्म को तुच्छ मानने की प्रथा के कारण अनेक बार श्राद्धविधि की अनदेखी की जाती है; परंतु आज भी अनेक पश्चिमी देशों के हजारों लोग भारत के तीर्थक्षेत्रों में आकर पूर्वजों को आगे की गति प्राप्त होने हेतु श्रद्धा से श्राद्धविधि करते हैं । प्रथम श्राद्धविधि मनु ने की थी । राजा भगीरथ ने पूर्वजों की मुक्ति हेतु कठोर तपस्या की थी । त्रेतायुग में प्रभु रामचंद्र के काल से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज के काल तक श्राद्धविधि का उल्लेख प्राप्त होता है । इसलिए तथाकथित आधुनिकतावादियों द्वारा श्राद्ध के विषय में किए गए किसी भी दुष्प्रचार में न फंसें । कोरोना महामारी के काल में अपनी क्षमतानुसार पितृऋण चुकाने के लिए श्रद्धापूर्वक श्राद्धविधि करें, ऐसा पू. नीलेश सिंगबाळजी ने बताया ।

श्राद्धविधि करने से वंशवृद्धि होती है तथा न करने पर पूर्वजों का कष्ट निर्माण होकर वंशहानि होती है । पितृपक्ष में महालय श्राद्ध भावपूर्ण करने से यश, धन, संतान, कीर्ति प्राप्त होती है । श्राद्ध न करने पर हमारे पूर्वज अतृप्त रहने से दोष निर्माण होता है । श्राद्ध विधि के कारण पूर्वजों को मर्त्य लोक से आगे जाने के लिए ऊर्जा प्राप्त होती है । मृत्यु के उपरांत भी सद्गति हेतु श्राद्धविधि बतानेवाला हिन्दू धर्म एकमेवाद्वितीय है । वर्तमान में समाज में धर्मशिक्षा के अभाववश श्राद्ध करने के स्थान पर सामाजिक संस्था अथवा अनाथालयों को दान दें, ऐसी भ्रामक संकल्पना का प्रचार किया जाता है; परंतु ऐसा करना अनुचित है । धार्मिक कृति धर्मशास्त्रानुसार करना ही आवश्यक है । तदनुसार कृति करने पर ही पितृऋण से मुक्त हो सकते हैं, ऐसा भी पू. नीलेश सिंगबाळजी ने बताया ।

हाईकोर्ट ने दिया ग्राम प्रधान को आदेश प्रदत शक्ति का प्रयोग कर हटवाएं अतिक्रमण

प्रखर गाजीपुर। विकासखंड के सिखड़ी ग्राम पंचायत में सीढ़ी बनाकर आम रास्ता अतिक्रमण किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।अतिक्रमण कर्ता सत्ता धारी पार्टी का पदाधिकारी बताया जाता है।इसे सत्ता की हनक कहा जाए या फिर अधिकारियों की सांठगांठ। जिसके चलते ग्राम सभा के कई घरों के लोगों के लिए आम रास्ता का अतिक्रमण मुशीबत बन गया है। रास्ता से अतिक्रमण हटाने और रास्ता सुगम बनाए जाने को लेकर माननीय उच्च न्यायालय में याची अरविंद तिवारी पुत्र परमानंद तिवारी द्वारा एक एक रीट याचिका दायर की गई है। माननीय उच्च न्यायालय ने याचिका की सुनवाई करते हुए अपने नौ सितंबर के आदेश में संबंधित ग्राम प्रधान और लेखपाल को ग्राम सभा के भू-प्रबंध समिति का अध्यक्ष और सचिव मानते हुए पंचायती राज एक्ट 1947के तहत प्राप्त शक्तियों और

कर्तव्यों का पालन करते हुए धारा 67के तहत चार सप्ताह के भीतर सीढ़ी द्वारा किया गया अतिक्रमण हटवाकर रास्ता सुगम बनाए जाने का आदेश दिया है।साथ ही कानून उल्लंघन की स्थिति में विरुद्धात्मक कार्रवाई करने का भी संकेत दिया है। गौरतलब है कि सिखड़ी ग्राम पंचायत के मूल निवासी अजय राय पुत्र स्व० हृदय राय का ग्रामपंचायत की सुरक्षित भूमि गाटा संख्या 747क्षेत्रफल 3.3730मे बने आम रास्ता जिसपर पहले से खड़ंजा कार्य कायम है ,के ऊपर सीढी द्वारा अनाधिकृत अतिक्रमण है। जिससे अन्य लोगों को एतराज है।जिसके चलते गांव के ही अरविंद तिवारी पुत्र परमानंद तिवारी ने रास्ता अतिक्रमण के मद्देनजर कृषि फसल उत्पादन से लेकर शादी समारोह में बड़े वाहनों से सामानों की ढुलाई तक की अपनी एवं जनहित समस्या का उल्लेख करते हुए माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर रास्ता से अतिक्रमण हटवाने की अपील किया था। जिसका कोर्ट ने संज्ञान लिया है।

पटेल जयंती पर लखनऊ से एकजुटता का संदेश देगी सपा रमाबाई अंबेडकर मैदान में 31 अक्टूबर को जुटेंगे कार्यकर्ता

लखनऊ (ईएमएस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती यानी 31 अक्टूबर को लखनऊ से कुर्मी मतदाताओं, किसानों व नौजवानों को साधने के लिए बड़ा दांव चलने जा रही है। एकता दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा को हराने के लिए पिछड़ों, दलितों, नौजवानों व किसानों को एकजुटता का संदेश भी देंगे। दरअसल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सपा इन दिनों किसान, नौजवान-पटेल यात्रा निकाल रही है। 29 अगस्त को सीतापुर से शुरू हुई इस यात्रा का समापन पहले 31 अक्टूबर को प्रयागराज में होना था कि?तु अब यह लखनऊ में समाप्त होगी। 64 दिनों की यह यात्रा खासकर उन 46 जिलों में जा रही है जो कुर्मी बहुल हैं। समापन मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे। सपा पटेल जयंती का यह कार्यक्रम लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में करेगी। पिछड़ों में कुर्मी मतदाता आठ फीसद से अधिक है। यही कारण है कि सपा ने कुर्मी मतदाताओं में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पटेल जयंती का दिन चुना है। इस कार्यक्रम में सपा कुर्मी समाज व खासकर किसानों को बताएगी कि भाजपा सरकार ने पूरे पांच साल उनके साथ केवल छल किया। सपा ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी जिलों में मंडल अध्यक्ष बनाए हैं। सभी को क्षेत्रवार जिम्मेदारियां दे दी गईं हैं। लखनऊ में इस कार्यक्रम का संयोजक डा. आशुतोष वर्मा पटेल को बनाया गया है।

फ्रंटल संगठन भी निकाल रहे करीब एक दर्जन यात्राएं : सपा के फ्रंटल संगठन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में करीब एक दर्जन से अधिक यात्राएं, सभाएं, चौपाल व सम्मेलन कर रहे हैं। सपा महासचिव इंद्रजीत सरोज 'जनादेश यात्रा' निकाल रहे हैं। उनकी यात्रा उन सीटों से होकर गुजर रही है, जहां दलितों की आबादी अधिक है। वे सपा के लिए दलित वोटों की गोलबंदी में जुटे हैं। सपा ब्राह्मण मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए प्रबुद्ध सम्मेलन कर रही है। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ भी इस समय समाजवादी पिछड़ा वर्ग सम्मेलन व सामाजिक न्याय यात्रा निकाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

SRL डायगोनिस्टिक सेंटर का उद्घाटन भाजपा नगर अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने किया

प्रखर रामनगर वाराणसी। नए प्रतिष्ठान SRL डायगोनिस्टिक सेंटर का उद्घाटन भाजपा नगर अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने किया, जिसमें मुख्यरुप से सभासद नंदलाल चौहान,राजेन्द्र शंकर पटेल अभिषेक सिंह ,मनोज यादव,कोमल सिंह,अवधेश सिंह, आयुष तिवारी,सुनील गुप्ता,संजय बाल्मिकी, सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव,देवेंद्र प्रताप सिंह, पवन सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सिंधोरा के गजेंद्रा में असलहे के बल पर लाखों की डकैती

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के गजेंद्रा गांव में बीती रात घर मे घुसे बदमाशों ने महिला को असलहे के बल पर आतंकित कर 5 लाख रुपए से अधिक के आभूषण व नगदी उठा ले गए। घटना के सूचना पर पहुची पुलिस जांच पड़ताल में लगी रही। बताया जाता है कि गजेंद्रा निवासी अजय पांडेय हंडिया स्थित एक डिग्री में इकोनॉमिक्स विभाग के हेड है और वही पर रहते है। लेकिन उनकी पत्नी बबिता पांडेय घर पर रहती है। बीती रात आधा दर्जन की संख्या में पहुचे बदमाश ताला तोड़कर घर के अंदर पहुचे और उनको असलहे के बल पर कुर्सी पर बंधक बना लिया और आराम से अलमारी और तिजोरी की चाभी लेकर सोने चांदी के लाखों रुपये के जेवर लेकर चले गए। घटना की जानकारी अपने पति को दी। पति ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पर सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय व कार्यवाहक थानाध्यक्ष श्यामधर बिंद मौके पर पहुचे और जांच पड़ताल की। पीड़ित के मुताबिक डकैतो ने 5 लाख रुपए से अधिक के सोने चांदी के जेवर व 3 बोरी गेंहू उठा ले गए। वही कार्यवाहक थानाध्यक्ष ने बताया कि चोरी की घटना हुई है और पुलिस छानबीन में लगी हुई है। वही पीड़ित के पति अजय पांडेय ने बताया कि रात एक बजे बंधक बनाकर चार सोने की चेन, एक बड़ा मंगलसूत्र के अलावा सोने चांदी की जेवर उठा ले गए। जिसकी कीमत 8 लाख रुपए है।

आरपीएफ के 36 वा स्थापना दिवस पर बरेका आरपीएफ बैरक में रेजिंग डे का किया गया आयोजन

प्रखर पुर्वांचल वाराणसी। रेलवे सुरक्षा बल के 36वॉं स्थांपना दिवस के शुभ अवसर पर बरेका रेलवे सुरक्षा बल बैरक में रेजिंग डे का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री रणवीर सिंह चौहान ने बल सदस्यों को पूरी निष्ठां एवं लगन के साथ ही ड्यूटी करने एवं ड्यूटी के दौरान आम जनमानस के साथ मधुर व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया।कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बल सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।रेजिंग डे के अवसर पर रेसुब बैरक में बने नये मेस का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इस अवसर पर रेसुब के बल सदस्यों द्वारा परेड का आयोजन किया गया। रेजिंग डे परेड में रेसुब की दो टुकडियों ने भाग लिया जिसका नेतृत्व परेड कमांडर निरीक्षक के.एन. तिवारी ने किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेसुब रणवीर सिंह चौहान थे।इस अवसर पर सुरक्षा आयुक्त,रेसुब अजीत कुमार शाही तथा सहायक सुरक्षा आयुक्त,रेसुब दीपक सिंह चौहान,जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कुमार भी उपस्थित रहें। बल सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने रेसुब ईकाई के समस्त बल सदस्यों एवं उनके परिवारजन को रेसुब स्थापना दिवस की बधाई दी।प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त,रेसुब ने बल सदस्यों को जानकारी दी कि 20 सितम्बर 1985 को पार्लियामेंट में एक्ट पारित कर रेलवे सुरक्षा बल को आर्म्ड फोर्स का दर्जा दिया गया।मुख्य अतिथि ने बल सदस्यों को पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर बल सदस्यों की समस्याओं की जानकारी ली गयी तथा उसके निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।रेसुब बैरक में बने नये मेस का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी निरीक्षक प्रशासन पोस्ट् के. के. सिंह तथा उनकी टीम के द्वारा किया गया।

प्रस्तावित पुलिस चौकी के बिरोध में उतरे पूर्व विधायक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र के समीप प्रस्तावित पुलिस चौकी के बिरोध में ग्रामीण पूर्व विधायक के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया। बताते चलें कि ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों के थानों से सम्बद्ध दूर क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित किये जा रहे हैं। उसी क्रम में फूलपुर थाने से सम्बद्ध गंगापुर में पुलिस चौकी प्रस्तावित की गई। मंगलवार को जेसीबी लगाकर खोदाई का कार्य शुरू हुआ तो ग्रामीण पूर्व विधायक अजय राय के नेतृत्व में उक्त स्थल पहुचे और जेसीबी मशीन को कार्य करने से रोकने के साथ कहाकि

खलिहान की जमीन पर पुलिस चौकी नही खुलेगी। उन्होंने इस बाबत एसडीएम पिंडरा गिरीश कुमार द्विवेदी से भी आपत्ति दर्ज कराई। वही ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए निर्माण कार्य रोक दिया गया। वही मौके पर पुलिस बल तैनात रही। वही ग्रामीण अरविंद सिंह ने बताया कि यह भूमि खलियान व कुम्हार जाति के लिए आवंटित जमीन है। पुलिस प्रशासन के ऊपर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया। वही विरोध करने वालो में पुरुष के साथ महिलाये भी शामिल रही।इस दौरान ग्राम प्रधान लालचन्द्र, पूर्व प्रधान रामबहादुर सिंह, लक्ष्मण पटेल, शाहरुख खान, अन्नू सिंह,दरोगा सिंह,अनिल सिंह, जगदीश मोदनवाल,मुन्नी देवी, उषा देवी,रीनू व रीना देवी समेत अनेक लोग रहे।

विधायक संजय ने चौपाल में गिनाई उपलब्धियां प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने पर जोर

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों की स्थिति सुधारने, संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है, चरणबद्ध ढंग से विद्यालयों का सुदृढीकरण और सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है। शिक्षकों का दायित्व है कि वे छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करायें। यह विचार मंगलवार को रूधौली विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने रामनगर विकास खण्ड के कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय नरखोरिया (कम्पोजिट) एवं प्राथमिक विद्यालय करैली में डेस्क बेंच का उद्घाटन करते हुये व्यक्त किया। इसी क्रम में उन्होने रामनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत करमहिया उर्फ तुरकौलिया में चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से जनसुनवाई करते हुये लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दिया। उन्होने लोगों की समस्याओं को सुनते ही कहा कि चौपाल में जो प्रमुख विन्दु आये हैं उसका प्राथमिकता से निराकरण कराया जायेगा। चौपाल में आये लोगों की समस्याओं को सुनते हुये विधायक संजय ने कहा कि यदि कोई भी अधिकारी, कर्मचारी विकास योजनाओं का लाभ दिलाने में रिश्वत की मांग करता हो तो सीधे उन्हें सूचना दें। कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से राम नगर ब्लाक प्रमुख यशकान्त सिंह, जगदीश प्रसाद शुक्ल, नीरज कुमार सिंह, एकता सिंह, जितेन्द्र कुमार के साथ ही मनोज सिंह, विजय उर्फ राजू पाण्डेय, जयेश प्रताप जायसवाल, महेन्द्र सिंह, विकास शर्मा, रवि जायसवाल, उमेश यादव, अनिल सिंह, विक्की गुप्ता, उमेश ठाकुर के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

जर्जर सड़क निर्माण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। विशाल फाउन्डेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. बबिता शुक्ला आचार्य ने मंगलवार को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को ज्ञापन देकर सरयू नहर कालोनी रोड़ होते हुये जामडीह शुक्ल, ओपेक चिकित्सालय कैली, डारीडीहा को जोड़ने वाले जर्जर हो चुकी सड़क का निर्माण कराने की मांग किया। ज्ञापन में डा. बबिता शुक्ला ने कहा है कि बरसात के बाद सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन जाने से आवागमन जानलेवा हो गया है। आये दिन दुर्घटनायें होती है, अनेकों बार प्रशासन का ध्यानाकर्षण करने के बावजूद सड़क की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बड़ी आबादी इससे प्रभावित है। मांग किया कि व्यापक जनहित में सड़क का चौडीकरण एवं गड्ढा मुक्त कराकर समस्या का निराकरण कराया जाय।

ग्राम प्रधान को पता ही नहीं पूर्व प्रधान करा रहे हैं सड़क निर्माण का कार्य, सेक्रेटरी की भूमिका संदिग्ध

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। हम बात कर रहे हैं राजगढ़ विकास खंड के पटीहटा ग्राम सभा का जरगो नहर से गांव को जोड़ने वाली 300 मीटर की मुख्य सड़क पर हो रहे निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल होने पर ग्रामीणों ने इसका विरोध किया विरोध के बावजूद काम ना रुकने पर समाजसेवी एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता राजेश सिंह पूर्वांचल राज्य जन मोर्चा के जिला अध्यक्ष को बुलाकर हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए बुलाया, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे मानवाधिकार कार्यकर्ता ने हो रहे घटिया निर्माण सामग्री से निर्माण कार्य को जांच कर राजगढ़ विकास खंड के वीडियो नंदलाल से बात कर घटिया निर्माण कार्य एवं गड़बड़ी से अवगत कराया , सेक्रेटरी मुकेश कुमार गौतम से भी घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल होने की

जानकारी दी गई उसके बावजूद भी कार्य न रुकने पर सेक्रेटरी की भूमिका एवं पूर्व ग्राम प्रधान की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है, वही इस बारे में वर्तमान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भगवानदास सिंह से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि मेरे जानकारी के बगैर पूर्व प्रधान इस कार्य को सेक्रेटरी की मिलीभगत से करा रहे हैं, ग्राम सभा में निर्माण कार्य की जिम्मेदारी देख रहे अनिल जिनका विकासखंड राजगढ़ के अधिकारियों की दया दृष्टि पर कई गांव में सड़क एवं गलियों के निर्माण कार्य कराने का कार्य करते हैं ग्राम सभा पटीहटा में हो रहे सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है, बन रहे सड़क कहीं से भी किसी मानक पर खरा नहीं उतर रहा है जिस पर ग्रामीण नाराज दिख रहे हैं।

गोदान एक्सप्रेस के चपेट में आने से बाइक सवार घायल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। उत्तर रेलवे लखनऊ वाया वाराणसी-फैजाबाद रेलवे प्रखण्ड के खेतासराय रेलवे क्रॉसिंग पर सोमवार की दोपहर फाटक बंद होने के बाद भी ट्रैक पार कर रहे एक बाइक सवार युवक गोदान एक्सप्रेस की चपेट में आ

गया।जिस से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया, गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।आननफानन में राहगीरों ने कस्बे में एक ट्रामा अस्तपाल में भर्ती कराया।आरपीएफ ने गाड़ी को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही में जुटी हुई है।

गेट न.55 सी के गेटमैन जाहिद सिद्दीकी ने स्टेशन मास्टर के निर्देश पर दीदारगंज रेलवे क्रॉसिंग को 12:15 पर बंद किया।दो यात्री ट्रेन हावड़ा देहरादून एक्सप्रेस और गोदान एक्सप्रेस का क्रॉसिंग होनी थी।लूप लाइन पर जौनपुर की तरफ से आ रही 9-अप देहरादून एक्सप्रेस-3009 खड़ी हुई।उधर उक्त रेलवे क्रॉसिंग पर वाहनो का लंबा तांता लग गया।शाहगंज से मुंबई जा रही 11056 गोदान एक्सप्रेस 12 :20 मिनट पर गुजर रही थी तभी अचानक खेतासराय की तरफ से एक बाइक सवार बन्द गेट बंद होने के बाद भी ट्रैक को पार कर था, चपेट में आ गया।राहगीरों ने नगर के एक निजीय ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया जहाँ उसकी हालत अभी खतरे से बाहर नही है।युवक ने अपना नाम अजित कुमार 24 वर्ष पुत्र राम लखन ग्राम हरैय्या थाना कप्तान गंज जिला आजमगढ़ बताया।वह अपने दो अन्य साथी प्रह्लाद और विनोद के साथ शाहगंज किसी काम से आये थे।खेतासराय रेलवे क्रॉसिंग पहुँचने पर दोनों साथी गाड़ी से उतर कर ट्रैक को पार कर लिए थे।सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस ने क्षतिग्रस्त गाड़ी को कब्जे में लेकर शाहगंज थाने लाई।आरपीएफ प्रभारी अनूप सिंहा ने बताया कि गाड़ी को कस्टडी में ले लिया गया है।पुलिस इनपर पर कानूनी कार्यवाही करेगी।

सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ती श्रुति नागवंशी काशी की बेटी ने पब्लिक पीस प्राईज जीत कर विश्व स्तर पर बढ़ाया काशी और भारत का गौरव

प्रखर वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर, पब्लिक पीस प्राइज टीम ने 2020-21 संस्करण के विजेताओं की घोषणा की है` यह पुरस्कार दुनिया का एकमात्र ऐसा सम्मान है जो लोगों की मान्यता पर ध्यान केंद्रित करने और शांति के लिए काम करने वालो के पहल पर केंद्रित है, जो कि जनता द्वारा ही प्रस्तावित, नामित और मंजूर किया जाता हैं ।

इस वर्ष, महामारी की अनिश्चितताओं के बावजूद, स्थानीय टीमों द्वारा प्रस्तावित और समर्थित 9 लोग नामांकन के बाद फाइनलिस्ट के रूप में नामांकित हुए थे` ये सभी इन 5 देशों कनाडा, कोलंबिया, भारत, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और पाकिस्तान से चुने गए है। बड़े गर्व की बात है कि इस पुरस्कार के लिए दुनियाभर से इन 9 चयनित लोगो में से 2 लोग भारत के है जिनमे से एक श्रुति नागवंशी बनारस की बेटी ने भी यह पुरस्कार जीत कर बनारस को विश्व पटल पर गौरान्वित किया है। ये सभी प्रतिभागी विभिन्न पीढ़ियों और संस्कृतियों से आते हैं` ये चुने

गए शांतिदूत अपने समुदायों में टूटे हुए बंधनों का पुनर्निर्माण कर रहे हैं ` गलतफहमी, असमानता और तनाव जो कभी-कभी सदियों पुराने होते हैं ` वे शब्दों, रंगमंच, मानवाधिकार शिक्षा के माध्यम से ये कार्य कर रहे है। श्रुति नागवंशी को यह पुरस्कार उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया है` बताते चले कि श्रुति नागवंशी एक महिला और बाल अधिकार कार्यकर्ता हैं और ग्रामीण महिलाओं सहित भारत में हाशिए के समूहों के लिए लगातार पैरवी कर रही हैं` वह मानवाधिकारों पर जननिगरानी समिति (पीवीसीएचआर) की संस्थापक सदस्यों में से एक हैं साथ ही सावित्री बाई फुले महिला पंचायत, एक महिला मंच की संस्थापक हैं` इन्होने महिलाओं और अन्य समूहों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की पहल की है` सभी मानव जीवन और और उनके सम्मान के लिए दृढ़ विश्वास से उन्हें प्रेरित कर, शांति और न्याय के लिए आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक हिंसा के हजारों पीड़ितों के जीवन को मानवीय गरिमा दिलाने और यातना मुक्ति के लिए लगातार काम कर रही है ।

अपराधों पर हुआ नियंत्रण, दुगुनी हुई किसानों की आय

बरेली। जलालाबाद में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने प्रदेश में फिर से पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल के काम के दम पर भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 350 सीटें जीतेंगे। शहर के एक मैरिज लान में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि जब सपा सरकार थी, प्रदेश में गुंडा, भूमाफिया का राज था। योगी राज में कानून का राज है। उन्होंने दावा किया कि 2016 के बाद अपराध का ग्राफ तेजी से नीचे आया है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने अपराधियों की गिरफ्तारी व एनकाउंटर के भी आंकड़ें दिए। बोले सकरार ने स्कूल कालेज व मेडिकल कॉलेज बनवाए। राम मंदिर के लिए 240 करोड रुपये, वृंदावन में बाके बिहारी मंदिर का जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए। केंद्र सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का मान बढ़ाया। बोले इस बार जलालाबाद व सहसवान समेत बरेली मंडल में 25 सीटें जीतेंगे।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से दहला इलाका, धमके से उड़ गई कमरे की छत, ग्रामीणों ने पाया आग पर काबू

लखनऊ। गोसाईगंज के अमेठी कस्बे के बाहर एक खेत में बने एक कमरे में मंगलवार दोपहर एक बार फिर पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। ताबड़तोड़ हुए धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। धमाके इतनी तेज था कि कमरे की छत तक उड़ गई। घटना से पूरे गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने पानी फेंककर आग पर काबू पाया। फैक्ट्री में किसी तरह के अग्नि सुरक्षा के उपकरण नहीं थे। अमेठी कस्बे से मोहम्मदाबाद मार्ग पर

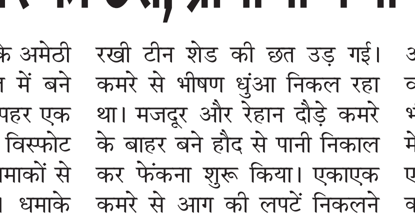

अमेठी निवासी आतिशबाज रेहान की खेत में पटाखा फैक्ट्री है। फैक्ट्री में पटाखे बनने के साथ ही बिक्री भी होती है। मंगलवार दोपहर मजदूर बाहर खाना बना रहे थे। घटना के समय रेहान भी मौजूद थे। इस बीच एकाएक ताबड़तोड़ कमरे में धमाके हुए और कमरे के ऊपर रखी टीन शेड की छत उड़ गई। कमरे से भीषण धुंआ निकल रहा था। मजदूर और रेहान दौड़े कमरे के बाहर बने हौद से पानी निकाल कर फेंकना शुरू किया। एकाएक कमरे से आग की लपटें निकलने लगीं। सूचना पर नगर पंचायत से पानी का टैंकर भेजा गया। जिसकी मदद से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। घटना से आस पड़ोस के लोगों की भीड़ जुट गई।पुलिस पहुंची। इंस्पेक्टर गोसाईगंज अमरनाथ वर्मा ने बताया कि रेहान के पास पटाखा बनाने और बिक्री का लाइसेंस है। लाइसेंस वर्ष 2023 तक मान्य है। बरसात में भीगे हुए पटाखे कमरे और बरामदे में सुखाए जा रहे थे। इसी दौरान एकाएक विस्फोट हुआ था। घटना की जांच की जा रही है। विस्फोट के अलावा फैक्ट्री के मानकों की जांच फायर विभाग करेगा।

बिना अग्नि सुरक्षा उपकरणों के एक कमरे में चल रही थी फैक्ट्री : पटाखा फैक्ट्री बहुत का काम बहुत ही संवेदनशील होता है। जरा सी लापरवाही में बड़ा हादसा तो होता है लोगों की जान भी चली जाती है। पर रेहान सालों से एक कमरे में बिना अग्नि सुरक्षा उपकरणों के पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। पुलिस और फायर विभाग ने बिना अग्नि सुरक्षा के चल रही इस फैक्ट्री पर अबतक कोई कार्यवाही नहीं की।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस और चोर गैंग के बीच मुठभेड़

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान 9 बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो बदमाशों के पैर में लगी है। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस तथा चोरी की घटनाओं में इस्तेमाल किए जाने वाले लोहा काटने के औजार व एक कैंटर बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, ये बदमाश निमार्णाधीन फैक्ट्रियों तथा रेलवे ट्रैक की दिन में रेकी करके, रात के समय वहां चोरी करते थे। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इन बदमाशों ने थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में निमार्णाधीन रेलवे ट्रैक से लोहे का सामान चोरी किया था। इन बदमाशों ने विभिन्न निमार्णाधीन कारखानों और रेलवे ट्रैक पर चोरी की दर्जनों वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि बीती रात थाना नॉलेज पार्क पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश वारदात को अंजाम देने की मंशा से एक कैंटर में सवार होकर आ रहे हैं।

सीएम योगी ने महंत नरेन्द्र गिरि को दी श्रद्धांजलि बोले-सामने लाया जाएगा संदिग्ध मौत का सच

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष तथा निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मौत से सभी स्तब्ध हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज में महंत नरेन्द्र गिरि की पार्थिव देह का अंतिम दर्शन करने के साथ ही उनको अपनी श्रद्धांजलि भी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि के आवास श्री मठ बाघम्बरी में जाकर उनको श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी पार्थिव देह का अंतिम दर्शन करने के साथ वहां पर शोकाकुल महंतों तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के सदस्यों को सच सामने लाने का भी भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट रूप से कहा कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले में महंत की संदिग्ध मौत से पहले जिन जिन लोगों से बात हुई है उन सभी के नंबर निकाल कर पुलिस उनसे पूछताछ करेगी। महंत नरेंद्र गिरि की मोबाइल पर कई अहम सुराग भी मिले हैं, जिसकी जांच पुलिस कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महंत नरेन्द्र गिरि जी की मृत्यु के मामले में बहुत साक्ष्य एकत्र कर लिए गए हैं। इसके बाद भी प्रदेश पुलिस कई वरिष्ठ अधिकारी अभी भी कुछ सच सामने लाने में जुट हुए हैं। उन्होंने कहा कि महंत जी की मौत के मामले में एक-एक सच को सामने लाया जाएगा। आप सभी को मैं भरोसा दिलाता हूं की महंत नरेन्द्र गिरि की मौत का प्रकरण संदिग्ध नहीं रहेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मठ में मौजूद सभी संतों से इस प्रकरण को लेकर अनावश्यक बयानबाजी से बचने की अपील भी की है। एडीजी जोन, आइजी रेंज व डीआइजी प्रयागराज एक टीम के रूप में इस घटना की जांच में जुटे हैं। दोषी अवश्य सजा पाएगा। इस संवेदनशील प्रकरण में अनावश्यक बयानबाजी से बचा जाए। जिम्मेदार को कानून के दायरे में लाकर कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

बिजनौर में बोले सीएम योगी- विकास की बुलंदियां छू रहा है यूपी

बिजनौर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बिजनौर का दौरा करने पहुंचे। मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर उतरते ही जनता ने खड़े होकर शंख बजाया।

मंत्री सुरेश खन्ना ने मुख्यमंत्री का स्वागत में माइक से किया। जिले की ओर से जिला अध्यक्ष ने भगवान की मूर्ति देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिजनौर के युवाओं को पढ़ने के लिए मेरठ, दिल्ली लखनऊ व अन्य प्रदेश में जाना पड़ता था। अब इसी मेडिकल कालेज में पढ़ेंगे और अच्छे डाक्टर बनेंगे। यहां की जनता को भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। योगी ने कहा कि इस राजकीय मेडिकल कालेज का नाम महात्मा विदुर के नाम पर होगा। प्रदेश में 30 हजार लड़कियों को नौकरी दी गई। साढे. चार साल में प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। जो दंगा करेगा उससे वसूली की जाएगी। हमारी सरकार जब से बनी प्रदेश से गुंडागर्दी खत्म हो गई है। उत्तर प्रदेश विकास की बुलंदियां छू रहा है और उसी में महात्मा विदुर की भूमि है। डीएम उमेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। 24 लोगों को मंच पर पहुंचने की अनुमति जारी की गई है। प्रेस के लिए सूचना विभाग की ओर से पास जारी किए गए हैं। मंच पर चार विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व सांसद पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। इसको लेकर बड़ी तैयारी की गई है। करीब दो हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं। ड्रोन से निगरानी की जाएगी। वीडियोग्राफी और सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। मंगलवार सुबह जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, एसपी डा. धर्मवीर सिंह कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए और सुरक्षा का जायजा लिया। इस दौरान फोर्स की ड्यूटी चेक की गई। सोमवार देर रात प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, पंचायत राज मंत्री भूपेंद्र सिंह और परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने भी डेरा डाल लिया। जनसभा को लेकर सुबह से गांव-गांव बसें तैयार हो गई है। फिलहाल रुट में कोई डायवर्जन नहीं किया गया है। एसपी डा. धर्मवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। चप्पे-चप्पे पर निगाह है। योगी आदित्यनाथ जी, विदुर की धरती बिजनौर पर आपका स्वागत है। शहर की सड़कों की चमक-दमक, सरकारी भवनों की साफ-सफाई से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि जनपद में वीवीआईपी आगमन की तैयारी है। योगी जी, वैसे तो आप वही देखेंगे, जो आपके मातहत अधिकारी आपको दिखाएंगे, लेकिन कुछ समस्याएं दूसरी भी हैं और लंबे समय से चली आ रही हैं। आपके साढ़े चार साल में यूं तो बहुत से विकास कार्य हुए हैं, लेकिन कुछ कार्य अभी होने बाकी हैं। जनपद को बाढ़ के दंश से छुटकारा नहीं मिल पाया है। नहटौर का हथकरघा और नगीना का काष्ठकला उद्योग बंदी के कगार पर हैं। विदुरकुटी के पुनरुद्धार के लिए भी लोग आपकी ओर टकटकी लगाए हुए हैं।

बेपटरी है नहटौर का पावरलूम उद्योग- नहटौर क्षेत्र का पावरलूम व हैंडलूम उद्योग देश के कई राज्यों ही नहीं विदेशों में भी पहचान रखता है। यहां के फैब्रिक और कपड़ों की मांग दूर-दूर तक है। पिछले पांच दशकों में स्थानीय स्तर पर यह कारोबार खूब फला-फूला, लेकिन अब बदलती परिस्थितियों और दो साल से कोरोना की मार झेल रहे इस उद्योग की कमर टूट गई है। कारोबारियों को आज भी सरकार से बड़ी सहायता की उम्मीद है। बिजनौर आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कारोबारी आस लगाए बैठे हैं।

सोशल मीडिया का गठन जिला और विधानसभा स्तर पर - आप

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आम आदमी पार्टी ने जनपद वाराणसी की सोशल मीडिया का गठन जिला व विधानसभा स्तर पर किया गया प्रदेश सह प्रभारी अभिनव राय जी, जिलाध्यक्ष श्री कैलाश पटेल, जिला महासचिव अखिलेश पांडेय, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सरोज शर्मा, प्रदेश सचिव अर्पित गिरी, के नेतृत्व में किया गया`सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष राजीव भरद्वाज , उपाध्यक्ष विकास कुमार को बनाया गया है। विधानसभा प्रभारी के रूप में भूपेंद्र प्रताप पिण्डरा, विवेक पांडेय, दक्षिणी विधान सभा, अवनीश राय ःरोहानिया, अरविंद यादव अजगरा, राजीव भारद्वाज उत्तरी विधानसभा का प्रभार दिया गया है। कैंट विधानसभा सदस्यता प्रभारी सेतु पति त्रिपाठी, शिवपुर विधान सभा अध्यक्ष दीपक सिंह, उपस्थित रहे । जानकारी जिला मीडिया प्रभारी घनश्याम पांडेय ने दी है।

रामकरन के संघर्ष हमारे लिए प्रेरणास्रोत - अजय राय

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पूर्व विधायक अजय राय ने कहाकि कॉग्रेस के विधायक रहे स्व0 रामकरन पटेल ने युवावस्था से लेकर मरते दम तक क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष किया और उन्ही की देन है कि बाबतपुर रेलवे स्टेशन व खालिसपुर में तमाम यात्री ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित हुआ। उक्त बातें मंगलवार को कर्मी (मंगारी) स्थित पीएफ पब्लिक स्कूल में रामकरन पटेल मेमोरियल सेवा संस्थान मंगारी के तत्वावधान में 15 वी पुण्यतिथि पर 'वर्तमान समय मे उनके संघर्षों की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान कही। उन्होंने कहाकि स्व0 रामकरन पटेल का जीवन संघर्षों से भरा रहा। गरीब परिवार में जन्म होने के बावजूद वह कभी स्वार्थ की राजीनीति नही

की। छात्र जीवन से ही उन्होंने संघर्ष का रास्ता चुना और विधायक बनने तक का सफर पूरा किया।उनके संघर्ष आज भी प्रासंगिक है और हमारे लिए और युवाओ के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हुए है। सन 1985 में कांग्रेस से विधायक बनने के बाद भी उनका संघर्ष जारी रहा। उसके बाद आंदोलन व घेराव कर जनसमस्या के लिए सड़क पर उतरे और गिरफ्तार होने के साथ जेल तक का भी सफर तय किया। वही 15 वी पुण्यतिथि पर किसान नेता रामजी सिंह ने कहाकि उनका ब्यक्तित्व संघर्ष से भरा रहा। संस्था सचिव डॉ कमल पटेल ने स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन एडवोकेट मोहसिन रजा शास्त्री ने किया। इस दौरान एमएलसी प्रत्याशी रहे अरविंद सिंह पटेल, रामजी वर्मा ,लल्लू पहलवान, बाल कृष्ण पटेल, शिवजगत यादव,जादूगर रामरथी सिंह , कवि विंध्येश्वरी प्रसाद बिंद, लालजी पांडेय,चंद्रबली पटेल व कुँवरजीत इलाहाबादी समेत अनेक लोग उनके प्रति श्रद्धांजलि देते हुए विचार व्यक्त किया।

योगी सरकार का पूरा हुआ साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने विकास कार्यों का लेखा-जोखा किया प्रस्तुत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लंका स्थित एक होटल में वाराणसी कैंट के विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने अपने साढे 4 वर्ष के कार्यकाल का लेख जोखा जनता के सम्मुख पत्रकारों और मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। विधायक कैंट ने बताया कि मोदी जी की अनुकंपा से कैंट विधानसभा में विश्व स्तरीय दो कैंसर हॉस्पिटल, बंदरगाह ,रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर, सिगरा स्टेडियम का जहां की अब अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले जा सकेंगे का निर्माण । इसके अलावा कैंट विधानसभा में करोड़ों रुपयों की लागत से सड़क कई नई बस्तियों में जहां की सड़कें कच्ची थी उनको पक्का कराया गया ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व के तालाबों का जीर्णोद्धार कराया गया जिसमें प्रमुख रुप से शंकु धारा पोखरा कुरुक्षेत्र पोखरा दुगार्कुंड पोखरा आदि हैं। कैंट विधानसभा में विकास की गंगा के बहने के क्रम में सपा बसपा के

शासनकाल के दौरान 15 साल से लंबित रामनगर सामने घाट पुल का निर्माण पूर्ण कराया गया अब उस पर जाली लगाने का कार्य चल रहा है। इसके अलावा साढ़े 4 वर्ष के इस कार्यकाल में वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान निःशुल्क अन्य वितरण से लेकर के निशुल्क दवाई ऑक्सीजन आदि की वितरण व्यवस्था हर स्तर पर कराई गई प्रधानमंत्री मोदी मोदी जी की प्रेरणा से गंगा में गिरने वाले नालों को स्थिति से जोड़ करके स्वच्छ करने का प्रयास हुआ वहीं रामनगर स्थित लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में एक निजी कंपनी के सौजन्य से ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए साथी ही कई अन्य चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं विकास के इस क्रम में जंगम बाड़ी मोहल्ले की गलियों का स्मार्ट सिटी योजना से सुंदरीकरण कराया जा रहा है इसके अलावा कैंट विधानसभा के कई मार्गों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कराया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव यम वी एस रामी रेड्डी ने करखियाओं, एग्रो पार्क में बी डी फूड्स इकाई का किया निरीक्षण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव यम वी एस रामी रेड्डी द्वारा जनपद भ्रमण के दूसरे दिन आज करखियाओं, फूलपुर, स्थित एग्रो पार्क में स्थापित बी डी फूड्स इकाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव द्वारा स्थापित उद्योग में बनाए जा रहे आम लीची केला के फ्रूट जूस और नमकीन सहित विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों का अवलोकन किया गया। खाद्य प्रसंस्करण इकाई में उत्पादित सामग्री को पार्ले ग्रुप और हल्दी ग्राम ग्रुप के टाइप करते हुए उन के माध्यम से ब्रांडिंग और विपणन कराया जा रहा है। उक्त इकाई को उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2017 के अंतर्गत 50 लाख रुपए से अधिक की राज्य सहायता भी प्रदान की गई है और प्रतिवर्ष ब्याज उपादान योजना में लिए गए लोन पर अनुदान ब्याज की भरपाई भी शासन द्वारा की जा रही है। निरीक्षण में अपर मुख्य सचिव द्वारा इकाई को और विस्तार देने तथा इसी तरह के अनेक इकाइयां स्थापित करने का बल दिया। निरीक्षण के दौरान उप निदेशक उद्यान मुन्ना यादव, खाद्य प्रसंस्करण प्रधानाचार्य बी0 गौतम ,जिला उद्यान अधिकारी वाराणसी संदीप कुमार गुप्त, उद्यान निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह ,रत्नेश चंद्र सहित उद्योग प्रबंधक भी मौजूद थे।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की हुई बैठक बनारस और गाजीपुर की टीम का हुआ गठन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में संगठन को विस्तार देने में लगी हुई है जिसमें आज कार्यकर्ता बैठक के दौरान गाजीपुर और बनारस जिले की टीम का गठन किया गया। पार्टी को विस्तार देने के लिए पार्टी के अध्यक्ष पवन गुप्ता जनपद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया को मजबूती देने के लिए 2022 चुनाव को देखते हुए सभी पार्टियों ने तैयारियों को लेकर अपनी कमर कस ली है, इसी क्रम में रिपब्लिकन पार्टी उत्तर प्रदेश में भी संगठन को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। रिपब्लिकन पार्टी के अध्यक्ष पवन गुप्ता का कहना है 2022 में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया और भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर बनेगी। यूपी में रिपब्लिकन पार्टी के गठबंधन के दौरान 26 सितंबर को सहारनपुर से भोजन कल्याण रैली निकालेंगे जो कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से होते हुए लखनऊ में 18 दिसंबर को समाप्त होगा।

तोहरा संगे लागल पिरितिया के डोर की शूटिंग की जाएगी यूपी और नेपाल में

प्रखर मुम्बई। गुड्डन फिल्म्स के बैनर तले बनने जा रहीं भोजपुरी फिल्म तोहरा संगे लागल पिरितिया के डोर की शूटिंग बहुत जल्द प्रारम्भ की जाएगी।जिनमें बतौर मुख्य नायक दीप कमल वर्मा नजर आयेंगे। मिली जानकारी के अनुसार फिल्म की शूटिंग नवम्बर में की जाएगी। जो यूपी और नेपाल में फिल्माई जायेगी। जैसा कि दीप कमल वर्मा ने बताया

कि यह उनकी चौथी फिल्म हैं और वे इससे पूर्व भी बतौर मुख्य नायक तीन फिल्में कर चुके हैं।जबकि,आने वाले समय इनकी कई फिल्में हैं।जिसकी शूटिंग एक-एक करके की जाएगी।

इस फिल्म की प्यार मोहब्बत पर आधारित एक मनोरंजक व पारिवारिक कांसेप्ट पर आधारित हैं।जिसमें एक्शन रोमांस कॉमेडी व फैमिली ड्रामा भरपूर देखने को मिलेगी।

दर्शकों के पसंद के अनुसार फिल्म का निर्माण किया जाएगा।इस फिल्म प्रमुख कलाकार दीप कमल वर्मा, रवि राजा, बालेश्वर सिंह, संजय वर्मा, निशा दुबे,दीपक शुक्ला, ज्ञान प्रकाश सिंह,राजू मिश्रा, पिंटू शर्मा,पवन कुमार सिंह, मनोहर कुमार,सुनीत राज, अनामिका, लवली,राजू सैनी,देव वर्मा, सुंदरम, विष्णु कश्यप,राज चौहान, प्रभात चौहान,अशोक कुमार वर्मा,ओमकार वर्मा,मुबारक व अन्य होंगे।जबकि,कई कलकारों का चयन जारी हैं।इस फिल्म के निमार्ता दीप कमल वर्मा,सह निमार्ता जीतू पटेल,निर्देशक डीके, कैमरामैन राजन सिंह,पटकथा लेखक संतोष यादव,गीतकार संतोष यादव व सूरज पाल सूर्या, संगीतकार गुड्डन फिल्म्स,सहयोगी इंद्रजीत भट्ट व समरनाथ मौर्या,प्रचारक कुमार युडी हैं।

तेज रफ्तार बोलेरो ने ली बच्ची की जान

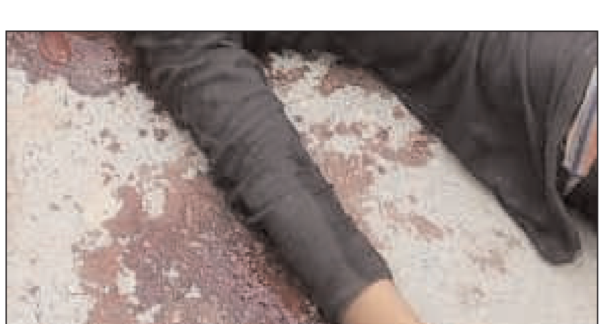

प्रखर करंडा। सड़क पर दौड़ने वाली गाड़ियां तेज और अनियंत्रित हैं तो वह किसी का भी जान ले सकती है। मंगलवार 21 सितंबर को लगभग 3:30 बजे ग्रामसभा माझा थाना करंडा जनपद गाजीपुर में एक अनियंत्रित गाड़ी ने एक बच्ची अर्चना उर्फ आशा पुत्री संतोष कुमार यादव उम्र लगभग 9 वर्ष को सड़क पर रौंद दिया जिससे बच्ची की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बोलेरो गाड़ी जिसने टक्कर मारी थी उसका नंबर यूपी 65 डी वाई 7490 है। उसके चालक को थाना करंडा में बंद किया गया है । इस दुर्घटना में 2 बच्चे घायल हैं जिसका उपचार सैदपुर सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है। बच्ची और बच्चे का नाम आंचल 11 वर्ष बजरंगी उम्र 7 वर्ष लगभग है । यह बच्चे बहुत ही गरीब परिवार के हैं जो तिरपाल के बने हुए झोपड़ी में रहते हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी आसपास के लोगों को बड़ा धमाका सुनाई दिया और पास में ट्रैक्टर खड़ा था वह भी छति ग्रस्त हो गया। इस मामले में थाना करंडा में रिपोर्ट किया गया है। खबर लिखे जाने तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हुआ था इस घटना के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और वह सड़क पर तेज दौड़ने वाले वाहनों के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की मांग करते रहे।

गर्लफ्रेंड को बीयर पिलाई, लोहे की रॉड से मारा, फिर ट्रक से कुचल मार डाला

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में इस समय मनप्रीत हत्याकांड सुर्खियों में है। मनप्रीत कौर बिजनौर के एक गांव की निवासी थी, जिसका शव बहुत ही खराब हालत में नेशनल हाइवे 74 के पास मिला था। मामले में पुलिस ने नफीस को गिरफ्तार किया है जिसपर मनप्रीत की हत्या का आरोप है। कथित तौर पर नफीस और मनप्रीत के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। मनप्रीत पहले से ही शादीशुदा थी। लव के इस ट्रायएंगल के कारण ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने पति की शिकायत के बाद नफीस के घर की तलाशी ली जहां से उसे कई सबूत ऐसे मिले जो नफीस की तरफ इशारा कर रहे थे। पुलिस ने नफीस को सबूतों के आधार पर गिरफ्तार कर उससे पुछताछ की।

लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने राज्यसभा सदस्य प्रो0 रामगोपाल यादव से की मुलाकात दिया स्मृति चिन्ह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य प्रो0 रामगोपाल यादव से आज लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश सचिव लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने दिल्ली स्थित आवास मुलाकात किया । प्रदेश सचिव युवजनसभा वरुण सिंह ने बताया वाराणसी से गये सपा नेता लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने प्रो0 रामगोपाल यादव जी को वाराणसी अक्टूबर में आमंत्रित कर प्रबुद्धजनों की समस्याओं को सुनने की अपील किया। प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के बाद भी यहाँ समस्याओं का अंबार लगे रहने की जानकारी क्रमबद्ध तरीके से दिया । लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश सचिव लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य प्रो0 रामगोपाल यादव को परशुराम जी के चित्र रूपी स्मृति चिन्ह दिया गया और ब्राम्हणों सहित प्रबुद्ध समाज की हो रही उपेक्षा पर ध्यान आकर्षित कराया

गया । वाराणसी में अक्टूबर माह में आने का निमंत्रण दिया गया है जिसे स्वीकार करते हुए जल्द ही तारीख बताने की बात बताई गई गई है । वाराणसी में अक्टूबर माह में एक बृहद प्रबुद्ध सम्मेलन कराया जाएगा जिसमे हर बिंदु पर परिचर्चा होगी ।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षको का किया गया सम्मान समारोह

प्रखर चिरईगाव वाराणसी। वि0ख0चिर ईगाव के ग्रामसभा छाही के संविलिपन विद्यालय छाही मे आज शिक्षको का सम्मान समारोह किया गया।जिसके मुख्य अतिथि वन्दना भारती (जि0प0स0)तथा विशिष्ट अतिथि ग्रामप्रधान सर्वेश कुमार यादव व विनय कुमार तिवारी थे।सम्मानित होने वाले शिक्षक मन्नालाल छाही तथा बनारसी लाल सरैया 2के संविलिपन के शिक्षक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रा0शि0संघ के अध्यक्ष ज्योति भूषण तिवारी के किया।कार्यकम का संचालनपार्थेश्वर पाण्डेय ने किया।वन्दना भारती ने कहा कि मानव जीवन मे शिक्षा सबसे मुल्यवान वस्तु है।इसके बिना जीवन शुन्य है।मुख्यरूप से मौजूद रहेप्रधान संघ चिरर ईगाव के अध्यक्ष लालबहादुर पटेल बिन्दू सिह आरती चौरसिया आलोक पाण्डेय मिथलेश पंकजगिरी धन्यबादज्ञापन रमेश कुमार ने किया।

अब पैसे से मिलेगा राशन की दुकान पर खाद्यान

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। प्रदेश मे गरीबो को मिलने वाला खाद्यान इसबार 20-30तारीख से जो वितरण किया जायेगा।वहपैसे से दिया जायेगा।बीते तीन महीने से राज्य सरकार द्वारा निशुल्क खाद्यान वितरण कराया जा रहा था।लेकिन अब एक बार नियमित खाद्यान पैसे से दिया जायेगा।तथा दुसरा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना(पी एम जे के वाई)निशुल्क दिया जायेगा।इसके साथ अत्योदय कार्डधारको को तीन किलो चीनी मिलेगा।अत्योदय कार्ड पर 20किलो गेहू 15किलो चावल 3किलो चीनी तथा पात्र गृहस्थी कार्ड पर प्रति यूनिट3किलो गेहू 2किलो चावल दिया जायेगा।यह जानकारी सदर पूर्ति निरीक्षक निर्मल सिह ने दिया।

राम जानकी मंदिर पर हुआ भंडारा सैकड़ों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

प्रखर गंभीरपुर/ आजमगढ़। विकासखंड मोहम्मदपुर के गंभीरपुर बाजार स्थित यूनियन बैंक के पीछे राम जानकी मंदिर परिसर में बाजार वासियों के सहयोग से रविवार को अखण्ड रामायण पाठ की शुरूवात हुई मंगलवार को हवन पूजन के उपरांत शाम को भंडारा का आयोजन हुवा। जिसमे क्षेत्र के सैकड़ो श्रद्धालुओं ने राम जानकी मंदिर में दर्शन पूजन अर्चन किया उसके बाद प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। मंदिर परिसर में जागरण का भी आयोजन किया गया था जिसमें गायक कलाकार कुंदन मिश्रा उर्फ सूरज व पूजा दुबे ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति पेश कर पूरे भक्ति मय माहौल बना दिया। इस मौके पर मोहम्मद पुर ब्लाक प्रमुख अध्यक्ष विजय कुमार विश्वकर्मा, विजय मिश्रा पद्माकर मिश्रा, देवनाथ गुप्ता, अमरनाथ गुप्ता,प्रधान संतोष कुमार, संदीप सोनी,संजय गुप्ता, बृजेश गुप्ता, संतोष गुप्ता, निक्कू गुप्ता, अनुज गुप्ता, विजय गुप्ता, डॉ विनोद यादव, श्याम सुन्दर सिंह, करुड़ाकर मिश्रा, राम सुधार सरोज, नसीम, राशिद, शाह, फैशल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

फोटोग्राफी एसोसिएशन का राकेश पटेल के नेतृत्व मे गठन किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। फोटोग्राफी एसोसिएशन का राकेश पटेल के नेतृत्व मे गठन किया गया, राकेश पटेल ने बताया की आय दिन फोटो ग्राफर, वीडियो ग्राफर पर आय दिन अत्याचार होते आ रहे है कही कैमरा चोरी का तो कही पेमेंट फसने का तो यही सब को देखते हुए एक एसोसियन का होना बेहद जरुरी था जो आज गठित किया जा रहा है, इस एसोसिएशन मे फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर से सभी समस्या का निवारण किया जायेगा, रामनगर के पंचवटी स्थित मधुबन मे फोटोग्राफर मेंबर, मनीष तिवारी, रोहित, संदीप मौर्या, जयप्रकाश, श्याम, बहादुर कृष्णा, अमित, गोपाल, सतीश, सदाफल, आदि लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं